Regional Centre – IGNOU RC ALIGARH

Code - 47

Report on …… (विश्व पर्यटन दिवस–2025 इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़)

Background (2-3 sentences on the background of the programme) विश्व पर्यटन दिवस–2025

Programme Objectives (2-3 objectives of the programme) Promotion of Tourism Related Courses of IGNOU

Participants (the target group and number of participants) 20

Resource Persons: Dr. Ajay Vardhan Acharya, Regional Director, IGNOU RC Aligarh

Resource materials (if any)

Duration and dates: 27-09-2025

Funding (if any)

Coordinators

About the Programme (A brief about the programme organized about 500 words – mentioning the daywise/session-wise details)

विश्व पर्यटन दिवस–2025 इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़ की रिपोर्ट

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़ के द्वारा दिनांक 27.09.2025 को विश्व पर्यटन दिवस 2025 का आयोजन पर्यटन विभाग अलीगढ़ के साथ संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर विश्व पर्यटन दिवस संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजय वर्धन आचार्य के द्वारा अलीगढ़ के पर्यटन विकास का रोडमैप प्रस्तुत किया गया। इग्नू अलीगढ़ के द्वारा संचालित पर्यटन पाठ्क्रमों Master of tourism and travel mangement, Bachelor of tourism and travel mangement, Bachelor of arts vocational studies travel management के बारे में विस्तार से बताया गया। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र अलीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजय वर्धन आचार्य ने विद्यार्थीयों के लिए Intership and case studies के माध्यम से उत्तर प्रदेश के 8 जनपदों में पर्यटन विकास पर कार्य किया जाएगा। इसके लिए इण्टर कॉलेज एवं महाविद्यालयों में विकसित भारत 2047–विकसित उत्तर प्रदेश 2047 के अन्तर्गत पर्यटन स्थलों की जानकारी विद्यार्थियों को पदान की जाएगी।

Outcomes of the programme (2-3 lines)

Dr. Ajay Vardhan Acharya

Regional Director RC Aligarh

(Signature of the Coordinator)

(The report should be 2000-2500 words)

Please upload the Geotagged photographs in the table only (Only 04 Photographs with captions)

(Include 2-3 geotagged photographs of the programme in between the write-up and programme schedule, attendance, press release (if any), certificate of participants (Sample) towards the end of the report)

विश्व
पर्यटन दिवस
27 सितम्बर, 2025
WORLD
TOURISM
DAY 2025
कार्यक्रम
पर्यटन संगोष्ठी
पेन्टिंग/चित्रकला प्रतियोगिता
पर्यटन नीति-2025 के अन्तर्गत पंजीकृत
05 ईकाईयों को प्रमाण पत्र वितरण
TOILET

विश्व
पर्यटन दिवस
27 सितम्बर, 2025
WORLD
TOURISM
DAY 2025
पर्यटन संगोष्ठी
पेन्टिंग/चित्रकला प्रतियोगिता
पर्यटन नीति-2025 के अन्तर्गत पंजीकृत
05 ईकाईयों को प्रमाण पत्र वितरण
Tourism and Sus
27 सितम्बर 2025

विश्व पर्यटन दिवस संगोष्ठी
क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अलीगढ़ मंडल, अलीगढ़
Tourism and Sustainable Transformation

City Club
WORLD TOURISM DAY 2025
विश्व पर्यटन दिवस
27 सितम्बर, 2025
पर्यटन संगोष्ठी
पैन्टिंग/चित्रकला प्रतियोगिता

जिले को पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने को डीएम ने दिए निर्देश

जिला पर्यटन व संस्कृति परिषद की बैठक में योजनाओं व महोत्सवों पर बनी रणनीति

प्रावदा संवाददाता

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में पर्यटन एवं संस्कृति से जुड़ी योजनाओं की स्थिति, प्रस्तावित कार्यों एवं आगामी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा के साथ ही जिले में चल रही एवं पूर्ण हो चुकी योजनाओं परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। साथ ही संस्कृति विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों, प्रस्तावित आयोजनों एवं जनपद के मेले और महोत्सवों की तैयारियों पर विचार–विमर्श किया गया। परिषद ने मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत प्रस्तुत प्रस्तावों पर सहमति जताई।

जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि जिले का पर्यटन साहित्य प्रकाशित कराएं। डीआईओएस को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में ईको–पर्यटन क्लबों को सक्रिय करने और क्लबों को उपलब्ध कराई गई धनराशि से गतिविधियां संचालित कराई जाएं। बैठक में जिला योजना वर्ष 2025–26 के अंतर्गत प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में बताया गया कि फूड एण्ड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट के लिए भूमि चिन्हित को चुकी है। सी एण्ड डीएस द्वारा जल्द ही कार्य आरम्भ किया जाएगा।

विधायक छर्रा ठा0 रवेन्द्र पाल सिंह ने सुझाव दिया कि मुख्य मार्ग से

बैठक में पर्यटन विकास की योजनाओं पर हुई विस्तृत समीक्षा।

मंदिरों की आरे जाने वाले संपर्क मार्गों पर साइनबोर्ड लगाए जाएं जिससे स्थानीय एवं अन्य पर्यटकों को आवागमन में सुविधा हो। धार्मिक स्थलों के महत्व, आस्था से जुड़े अन्य बिन्दुओं के बारे में भी बोर्ड की स्थापना कराई जाए। परिषद ने जिले में होम स्टे, स्टॉल होम स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण को बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही पर्यटन विकास के लिए भूमि उपलब्ध कराने के लिए लैण्ड बैंक, वे–साइड एमिनिटी पर भी चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने आरटीओ को निर्देशित किया कि पर्यटन नीति–2022 के अंतर्गत दुर्लभ एवं लुप्तप्राय कला, संगीत, शिल्प एवं लोककला के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिले की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन संभावनाओं के प्रचार–प्रसार के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं, ताकि अलीगढ़ को पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत पहचान मिल सके।

जिले को पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने को जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

बैठक में पर्यटन विकास की योजनाओं पर हुई विस्तृत समीक्षा

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में पर्यटन एवं संस्कृति से जुड़ी योजनाओं की स्थिति, प्रस्तावित कार्यों एवं आगामी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा के साथ ही जिले में चल रही एवं पूर्ण हो चुकी योजनाओं परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। साथ ही संस्कृति विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों, प्रस्तावित आयोजनों एवं जनपद के मेले और महोत्सवों की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। परिषद ने मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना के अंतर्गत प्रस्तुत प्रस्तावों पर सहमति जताई।

जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव को निर्देशित किया कि जिले का पर्यटन साहित्य प्रकाशित कराएं। डीआईओएस को निर्देशित किया गया कि विद्यालयों में ईको-पर्यटन क्लबों को सक्रिय करने और क्लबों को उपलब्ध कराई गई धनराशि से गतिविधियां संचालित कराई जाएं। बैठक में जिला योजना वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में बताया गया कि फूड एण्ड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट के लिए भूमि चिन्हित की

चुकी है। सी एण्ड डीएस द्वारा जल्द ही कार्य आरम्भ किया जाएगा।

मा0 विधायक छर्रा ठा0 रवेन्द्र पाल सिंह ने सुझाव दिया कि मुख्य मार्ग से मंदिरों की ओर जाने वाले संपर्क मार्गों पर साइनबोर्ड लगाए जाएं जिससे स्थानीय एवं अन्य पर्यटकों को आवागमन में सुविधा हो। धार्मिक स्थलों के महत्व, आस्था से जुड़े अन्य बिन्दुओं के बारे में भी बोर्ड की स्थापना कराई जाए। परिषद ने जिले में होम स्टे, स्टॉल होम स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण को बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही पर्यटन विकास के लिए भूमि उपलब्ध कराने के लिए लैण्ड बैंक, वे-साइड एमिनिटी पर भी चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने आरटीओ को निर्देशित किया कि पर्यटन नीति-2022 के अंतर्गत दुर्लभ एवं लुप्तप्राय कला, संगीत, शिल्प एवं लोककला के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिले की सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन संभावनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं, ताकि अलीगढ़ को पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत पहचान मिल सके।

बैठक में मा0 विधायक इगलास श्री राजुकमार सहयोगी, सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, निदेशक इग्नू अजयवर्धन आचार्य, जिला युवा अधिकारी तन्वी अग्रवाल, डीआईओएस, डीपीआरओ, डीएओ, सीएफओ, विवेक बगई, पंकज धीरज सलाहकार गौरव गौतम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के पर्यटन विकास को नए टूरिस्ट प्वाइंट विकसित किए जाएंगेः अनुपम श्रीवास्तव

- अचलेश्वर, खेरेश्वर, शेखा झील भी पर्यटन के नए केंद्र विकसित हों
- क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी ने होटल एसो. संग पर्यटन विकास को विचार किए साझा

अलीगढ़। विश्व पर्यटन दिवस पर क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव की अध्यक्षता में अलीगढ़ होटल एंड रेस्टोरेंट एसो. के पदाधिकारियों के साथ गोष्ठी हुई। अनुपम श्रीवास्तव ने कहा कि हमारा विकास विनाशकारी न हो, हमें सर्वप्रथम इस बात का ध्यान रखना चाहिए। हम सभी की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हम जिले के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या-क्या सहयोग कर सकते हैं। जिले में अचलेश्वर, खेरेश्वर व शेखा झील के अतिरिक्त भी पर्यटन के नए केंद्र विकसित किए जाएं। उन्होंने पर्यटन विभाग द्वारा हाल ही में लागू "बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2022" नीति के उद्देश्य, विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इससे जहां एक ओर पर्यटन को नई ऊँचाईयां मिलेंगीं, स्थानीय युवाओं व परिवारों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा वहीं दूसरी ओर पर्यटकों को शहरी क्षेत्र के साथ ही दूर-दराज के क्षेत्रों में भी आसानी से गुणवत्तायुक्त हॉस्पैटिलिटी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने अलीगढ़ के लिए भविष्य की योजनाओं जिनमें अचल सरोवर में वाटर स्पोर्ट्स, लेजर फाउंटेन, शेखा झील के आसपास कॉटेज एवं अलीगढ़ को पर्यटन के मानचित्र पर लाने के लिए स्थानीय स्तर पर जिले भर के पर्यटन स्थलों की बुकलेट तैयार कराए जाने की जानकारी दी।

एसो. चेयरमेन पंकज धीरज ने कहा कि अलीगढ़ के पर्यटन पटल पर आने से अर्थव्यवस्था और सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटन विकास की योजनाओं के लिए होटल इंडस्ट्रीज के सहयोग के साथ ही प्रशासनिक सहयोग, सड़क और यातायत व्यवस्था में सुधार, सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था लागू करने के साथ ही विभिन्न लाइसेंस और एनओसी प्रक्रिया में सरलीकरण जरूरत हैं। निदेशक इग्नू अजय वर्धन आचार्य ने पौराणिक स्थलों- ऋषि विश्वामित्र की तपोस्थली धरणीधर सरोवर, जयगंज का मंगलेश्वर मंदिर, अचलेश्वर, खेरेश्वर, एएमयू, शेखा झील को पाठ्यक्रम में शामिल कराते हुए ताला उद्योग के लिए डिस्प्ले सेंटर की स्थापना के साथ ही अलीगढ़ को बृज क्षेत्र से जोड़ते हुए 'कृष्णा सर्किट' बनाने की बात कही। सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार ने कहा कि होटल उद्योग और पर्यटन विभाग हमेशा से एक-दूसरे के सहयोगी रहे हैं। यदि दोनों पूरी निष्ठा और आपसी तालमेल के साथ कार्य करें तो यह न केवल उद्योग और विभाग की प्रगति में सहायक होगा, बल्कि प्रदेश की आर्थिक मजबूती और पर्यटन की नई संभावनाओं को भी जन्म देगा।

महामंत्री विवेक बगाई ने कहा कि पर्यटन विश्व का सबसे पुराना उद्योग है। अलीगढ़ सदैव से सराय और पड़ाव का शहर रहा है, यहां लगभग 150 सराय हैं। विगत कुछ वर्षों में अलीगढ़ के पर्यटन विकास की दिशा में कार्य हुए हैं परन्तु अभी भी अत्यधिक संभावनाएं हैं। कई देशों की अर्थव्यवस्था केवल पर्यटन पर ही आधारित है, ऐसे में पर्यटन को अनदेखा नहीं किया जा सकता। संगठन मंत्री मनमीत सिंह ने पर्यटन विकास को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक आहूत करने पर बल देते हुए कहा कि रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर पर्यटन हैल्प डेस्क बनाई जाए ताकि जिले में बाहर से आने वाले लोगों की यहां के पर्यटन स्थलों पर सुगमता से पहुँच हो सके।

इस दौरान दीपक गर्ग, प्रदीप सिंघल, अजय गुप्ता, अनिल जैन, संजय गुप्ता, अंशुल कुमार, अनिकेत वार्ष्णेय, संजीव अग्रवाल, प्रमीत गुप्ता, राजकुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।